would request Shri Gujralji to talk to his counterpart in Saudi Arabia and find out what has happened to Mr. Baliga, and let us know the details and welfare of Mr. Baliga. Thank you.

SHRI GOVINDRAM MIRI (Madhya Pradesh): Mr. Vice-Chairman, Sir, it is a matter of great concern and I associate myself with the Special Mention made by Dr. Jichkar.

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : मिरी जी, आप अपने विषय पर बोलिए ।

Threat of Agit ..jn by Teachers of Kendriya Vidyalayas

SHRI GOVINDRAM MIRI (Madhya Pradesh): Mr. Vice-Chairman, Sir, through you, I rise to mention a matter of urgent public importance in this august House. About 35,000 teachers of more than 850 Kendriya Vidyalayas have threatened to launch a phased agitation from 1st April, 1997 under the aiioices of Rashtriya Kendriya Vidyalaya Adhyapak Sangh (J).

It is surprising that the present Human Resource Development Minister and his colleague, the Minister of State for Education—who prior to becoming the State Minister happened to be the patron of the Sangathan—have not found any time to meet the office-bearers of the Association, though they have submitted a memorandum detailing their demands and grievances as early as September, 1996. Some of may colleagues also wrote to these Ministers to find a solution to their problems, but they did not get anything 'except acknowledgements and hollow assurances that they are looking into the matter. They have not even looked at them, not to talk of finding a solution to their problems. Moreover, the KVS officers have misfed them while replying to question in both the Houses of Parliament. Different replies have been given to the same question in the Rajya Sabha and in the Lok Sabha.

Mr. Vice-Chairman, through you, I would request the Minister of Human Resource Development to hold bilateral talks with the Association immediately and to stop teachers from descending on the road.

Need to make River Ganga Pollution-free

श्री मोहम्मद आजम खान (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं अपने मुल्क, की अपने देश की सबसे अहम नदी की समस्याओं की तरफ इस सदन का और सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। गंगोत्री से निकलकर बंगाल की खाड़ी में जाकर गिरने वाली गंगा नदी बहुत सी गदंगी को अपने साथ समेटती है । कुछ ऐसे इलाकों से भी इसकी गुजर होती है जहां कि इसका पानी लोगों की अपनी जिंदगी के लिए मवेशियों की जिंदगी के लिए आबपाशी के लिए बिल्कुल उसी तरह जरूरी है जैसे सूरज की रोशनी जरूरी है जिंदा रहने के लिए । गंगा से इस देश के करोड़ों इंसानों की धार्मिक आस्थाएं भी जुडी हुई है, इसके अलावा भी इस नदी को बहुत अहमियत की नजर से देखा जाता हैं । हम भी अगर अकलामा इकबाल के शेर की रोशनी में कहे तो कह सकते हैंः-

ऐ आबरूदें गंगा, वो दिन हैं याद तुझको
उतरा तेरे किनरें जब कारवां हमारा ।।

तो यह हम सबकी जिम्मेदारी हो जाती है कि हम एक ऐसी अहम नदी जो, बहुत गंदगी की चपेट में है, उसे साफ करने के लिए आवश्यक कदम उठाए । केन्द्र सरकार ने कई बार इस तरह की आश्वासन दिए प्रान्तीय सरकारों ने भी चाहा कि यह नदी साफ हो लेकिन सच्चाई यह हैकि छोटे शहर, बड़े शहर और एक पॉलिसी सी होकर रह गई है कि ईसानों की जिन्दगी को ले जाकर गंगा नदी मे मिला दिया जाता है। कुछ जगहों पर तो यह नदी जाता है। कुछ जगहों पर तो यह नदी पानी की शक्ल में नहीं बहती, रालाजत और गदंगी की शक्त में बहती है और उस वक्त ऐसा लगता है कि बहुत से लोग बहुत से सवालात् उठाते हैं जिनसे लोगों के लिए दुखते हैं, लेकिन ऐस सवाल, जिनसे गंगा का पानी साफ होकर हिन्दुस्तान में रहने वाले करोड़ो, इंसानों की जिन्दगी को साफ कर सकें, ऐसे सवाल कभी उन लोगों की तरफ से नहीं उठते जिनकी जिम्मेदारी हम जैसे लोगों से ज्यादा था। मैं यह समझता हूं कि यदि लोग गंगा नदी की सफाई को बतौर आस्था नहीं बल्कि एक कौमी जरूरत के तहत महसूस करें तो गंगा के पानी की बहुत सी गदंगी को रोका जा सकता है । मुझे अपनी स्टूडेंट लाइफ का याद है, जब हम एन.सी.सी. की ट्रेनिंग लिया करते थे, उस वक्त बहुत से काम ऐसे किए जाते थे जिनसे देश को बहुत से सवालों का जवाब मिल सकता था आगे चलकर लेकिन आज एन.सी.सी. में उन तकरीबन बे-मकसद होकर रह गई है। गंगा की सफाई

का काम एन.सी.सी. केडिट्स से लिया जा सकता है। जिन इलाकों से होकर गंगा नदी गुजरती है, वहां के ग्राम समाज और ग्राम सभा को इसकी जिम्मेदारी दी जा सकती है, वहां के ग्राम प्रधानों को इसकी जिम्मेदारी दी जा सकती है। किसी न किसी के बीच से होकर तो इस नदी को गुजराना ही है, वहां के स्कूल-कॉलेजों को, स्टूडेंट्स को इस बात की जिम्मेदारी दी जा सकती है कि वहां के एन.सी.सी. केडिट्स या स्टूडेंट्स इसकी सफाई में हिस्सा लें और जो स्टूडेंट्स इसकी सफाई में हिस्सा लें उनको अलग से कोई सर्टिफिकेट दिया जाए और सरकारी नौकरियों व बैंक के लोन्स में उनको किसी तरह की राहत व सहूलियत दी जाए। मैं खास तौर से सभी का ध्यान, चाहे इस सदन के सदस्य हों, चाहे दूसरे सदन के सदस्य हों, चाहे सदन के बाहर रहने वालें लोग हों, सभी का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित करते हुए कहना चाहता हूं कि हमें एक न एक दिन गंगा के पानी की सफाई और पवित्रता के बारे में इसलिए गौर करना पड़ेगा क्योंकि यह सिर्फ एक ऐसी नदी नहीं है जो गंगोत्री से निकलकर बंगाल की खाड़ी में सिर्फ एक पानी की शक्त में जाकर गिर जाती है, बल्कि इसके पानी की गंदगी के बहुत नुकसानात् हैं । उन नुकसानात् का अंदाजा शायद उन लोगों को न हो सके जो उस पानी का इस्तेमाल नहीं करते । लेकिन जो सिर्फ उसी के पानी पर जिंदा हैं, जिसको बर्तनों में भरकर उनके घरों का खाना बनता है, जिससे उनके कपड़े धुलते हैं, जिसमें उनके जानवर अपनी जिंदगी हासिल करते हैं, और खेतों में जाकर फसल उगाने का काम करते हैं, उनके लिए गंगा का पानी बहुत अहम है ।

इसलिए , उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से, आपका शुक्रिया अदा करते हुए सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि गंगा के पानी की सफाई के लिए सरकार खुद संकल्प ले और समाज की तमाम स्वयं सेवी संस्थाएं भी इसमें हिस्सेदार बनें । बहुत-बहुत शुक्रिया ।

श्री मनोहर कान्त ध्यानी (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं इनके वक्तव्य से अपने आपको संबद्ध करता हूं ।

Excavation and Conservation of Historical and Archaeologically important places in Madhubani Distt, in Bihar with a view to make it tourist's place

श्री रामदेव भंडारी (बिहार) : उपभाध्यक्ष महोदय, बिहार का मधुबनी जिला जहां से मैं आता हूं, वह ऐतिहासिक और पुरात्तव की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण हैं । राजा जनक की राजधानी जनकपुर नेपाल में है परंतु मधुबनी से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर है । इस प्रकार से सीताजी का जन्म-स्थान मधुबनी के समीप है। राजा बलि का बलिराजगढ़ भी इसी जिले में है । मैंने स्वंय इस स्थल को देखा है । यहां डेढ़-डेढ़ फीट आकार की ईटें तथा पुरातत्व की अन्य महत्वपूर्ण वस्तुएं पाई गई हैं ।

महोदय, अन्दराठाड़ी और पश्चन गांव में बौद्धकालीन मुद्राएं एंव अन्य वस्तुएं पाई गई है । जो अन्दराठाड़ी के एक छोटे से म्यूजियम में रखी हुई है । इसके अतिरिक्त इस जिले मे सैकडों ऐसे ऐतिहासिक स्थल हैं जिनकी खुदाई करने से हमें देश के प्राचीन और गौरवशाली इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। यह क्षेत्र टूरिज्म की दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण हो सकता है । पहले यहां कुछ स्थलों की खुदाई की जा रही थी परन्तु किन्हीं कारणों से उसे बदं कर दिया गया है । मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि अन्दराठाड़ी, पश्चन एवं बलिराजगढ़ के एतिहासिक स्थलों की खुदाई के साथ ही अन्य महत्वपूर्ण स्थलों की खुदाई की जाए और इस क्षेत्र को एक टुरिस्ट सर्किट के रूप में डेवलप किया जाए जिससे देश और विदेश के लोग इस क्षेत्र की यात्रा कर सकें और ऐतिहासिक स्थलों को देख सकें । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

PROF. (SHRIMATI) BHARATI RAY (West Bengal): Sir, I would also like to associate myself with the sentiments expressed by my hon. colleague, Shri Ram Deo Bhandari.

Alarming Increase in Deaths due to Road Accidents in Delhi

श्री ओ.पी. कोहली (दिल्ली) : आदरणीय उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन और सरकार का ध्यान दिल्ली की सड़कों पर बढ़ती हुई दुर्घटनाओं की ओर दिलाना चाहता हूं । दिल्ली में प्रतिवर्ष इतनी बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाओं में मौतें हो रही हैं । जिसके कारण दिल्ली में जीवन बहुत असुरक्षित हो गया है । महोदय, चेन्नई, कलकत्ता और मुम्बई जैसे महानगरों में कुल मिलाकर प्रतिवर्ष सड़क दुर्घटनाओं में जितनी मौतें होती है, उससे कहीं ज्यादा दिल्ली की सड़कों पर हो रही हैं ।

महोदय, 1995 मे चेन्नई, कलकत्ता और मुम्बई, इन